पढ़क्कू की सूझ
प्रश्न-उत्तर
कक्षा-4

कविता में कहानी

'पढ़क्कू की सूझ' कविता में एक कहानी कही गई है। इस कहानी को तुम अपने शब्दों में लिखो

एक पढ़क्कू व्यक्ति था। वह तर्कशास्त्र पढ़ता था। तेज बहुत था। जहाँ कोई भी बात न होती, वहाँ भी नई बात गढ़ लेता था। एक दिन की बात है। वह चिंता में पड़ गया कि कोल्हू में बैल बिना चलाए कैसे घूमता है। यह बहुत गंभीर विषय बन गया उनके लिए। सोचने लगे कि मालिक ने अवश्य ही उसे कोई तरकीब सिखा दी होगी। आखिरकार उसने मालिक से पूछ ही लिया कि बिना देखे तुम कैसे समझ लेते हो कि कोल्हू का तुम्हारा बैल घूम रहा है या खड़ा हुआ है। मालिक ने जवाब दिया-क्या तुम बैल के गले में बँधी घंटी नहीं देख रहे हो? जबतक यह घंटी बजती रहती है तबतक मुझे कोई चिंता नहीं रहती। लेकिन जैसे ही घंटी से आवाज आनी बंद हो जाती मैं दौड़कर उसकी पूँछ पकड़कर ऐंठ देता हूँ। इसपर पढ़क्कू ने कहा-तुम तो बिल्कुल बेवकूफ जैसी बातें कर रहे हो। ऐसा भी तो हो सकता है कि किसी दिन तुम्हारा बैल खड़ा-खड़ा ही गर्दन हिलाता रह जाए। तुम समझोगे कि बैल चल रहा है लेकिन शाम तक एक बूंद तेल भी नहीं निकल पाएगा। मालिक हँसकर पढ़क्कू से बोला-जहाँ से तुमने यह ज्ञान सीखा है वहीं जाकर उसे फैलाओ। यहां पर सब कुछ सही है क्योंकि मेरा बैल अभी तक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ पाया है।

1.

कवि की कविताएँ

तीसरी कक्षा में तुमने रामधारी सिंह दिनकर की कविता 'मिर्च का मज़ा' पढ़ी थी। अब तुमने उन्हीं की कविता 'पढ़क्कू की सूझ' पढ़ी।।

(क) दोनों में से कौन-सी कविता पढ़कर तुम्हें ज्यादा मज़ा आया?

(चाहो तो तीसरी की किताब फिर से देख सकते हो।)

उत्तर:

दोनों में से मुझे 'पढ़क्कू की सूझ' कविता ज्यादा मजेदार लगी। इसमें पढ़क्कू तर्कशास्त्री है। पढ़ा-लिखा है। फिर भी बैल के मालिक से मूर्खतापूर्ण सवाल करता है। इससे कविता काफी रोचक बन जाती है।

(ख) तुम्हें काबुली वाला ज्यादा अच्छा लगा या पढ़क्कू? या कोई भी अच्छा नहीं लगा?

उत्तर:

मुझे दोनों ही बड़े अच्छे और मजेदार लगे।।

(ग) अपने साथियों के साथ मिलकर एक-एक कविता ढूँढ़ो। कविताएँ इकट्ठा करके कविता की एक किताब बनाओ।

उत्तर:

स्वयं करो।।

मेहनत के मुहावरे

कोल्हू का बैल ऐसे व्यक्ति को कहते हैं, जो कड़ी मेहनत करता है या जिससे कड़ी मेहनत करवाई जाती है। मेहनत और कोशिश से जुड़े कुछ और मुहावरे नीचे लिखे हैं। इनका वाक्यों में इस्तेमाल करो।

- दिन-रात एक करना
- पसीना बहाना
- एड़ी-चोटी का जोर लगाना

उत्तर:

- दिन-रात एक करना-वार्षिक परीक्षा में अव्वल अंक पाने के लिए सोनिया ने दिन-रात एक कर दी।
- पसीना बहाना-हमारे किसान खेतों में पसीना बहाकर फसल उगाते हैं।
- एड़ी-चोटी का जोर लगाना-सफलता उन्हें ही मिलती है जो एड़ी-चोटी का जोर लगाते हैं।

पढ़क्कू

(क) पढ़क्कू का नाम पढ़क्कू क्यों पड़ा होगा?

उत्तर:

वह दिन-रात पढ़ता रहता होगा।

(ख) तुम कौन-सा काम खूब मन से करना चाहते हो? उसके आधार पर अपने लिए भी पढ़क्कू जैसा कोई शब्द सोचो।

उत्तर:

मैं गप्पें खूब मारना चाहता हूँ। इस आधार पर मैं 'गप्पू' के नाम से पुकारा जा सकता हूँ।

अपना तरीका

हाँ जब बजती नहीं, दौड़कर तनिक पूँछ धरता हूँ।

पूँछ धरता हूँ का मतलब है पूँछ पकड़ लेता हूँ।

नीचे लिखे वाक्यों को अपने शब्दों में लिखो।

(क) मगर बूंद भर तेल साँझ तक भी क्या तुम पाओगे?

(ख) बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है।

(ग) सिखा बैल को रखा इसने निश्चय कोई ढब है।

(घ) जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नई बात गढ़ते थे।

गढ़ना

पढ़क्कू नई-नई बातें गढ़ते थे।

बताओ, ये लोग क्या गढ़ते हैं।

सुनार	जेवर
लुहार	लोहे की चीज
ठठेरा	बर्तन
कवि	कविता
कुम्हार	मिट्टी के बर्तन
लेखक	कहानी, लेख

अर्थ खोजो

नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ अक्षरजाल में खोजो-

उत्तर:

- ढब – तरीका
- भेद – राज़
- गज़ब – कमाल
- मंतिख – तर्कशास्त्र
- छल – धोखा।

ढब, भेद, गज़ब, मंतिख, छल

त	र्क	शा	स्त्र	म्र
रा	ज	त	क	ब
जू	स	री	मा	धो
रा	ज़	का	ल	खा
धो	क	म	ल	ड़